भगवान श्री गणेश का भजन

विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना,
आज मेरी महफिल में आ जाना ना,
आज मेरी महफिल में आ जाना ना,
विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना।।

रिद्धि सिद्धि के तुम हो दाता,
भक्तजनों के भाग्य विधाता,
शंकर के लाल गणराजा,
आज मेरी महफिल में आ जाना,
विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना।।

माथे मुकुट गले मोतियन माला,
कानन कुंडल हाथ भाला,
मस्तक सिंदूरी गणराजा,
आज मेरी महफिल में आ जाना,
विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना।।

देवता में इनसे बड़ा न कोई दूजा,
सर्वप्रथम होती है जो इनकी पूजा,
बुद्धि के दाता गणराजा,
आज मेरे महफिल में आ जाना,
विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना ना।।

सुनो विनती गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना,
आज मेरी महफिल में आ जाना,
आज मेरी महफिल में आ जाना,
विनती सुनो गणराजा आज,
मेरी महफिल में आ जाना।।

eAstroHelp